शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

वार्षिक पाठ्यक्रम 2026-27

कक्षा-6, विषय-हिंदी

क्र. सं.	(मल्हार) पाठ का नाम, रचयिता, विधा	विषयवस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	पाठ्यचर्या लक्ष्य एवं दक्षताएँ	गतिविधि/क्रियाकलाप
1	**पाठ-1.** **मातृभूमि** सोहनलाल द्विवेदी (कविता)	यह कविता भारत के भौगोलिक, प्राकृतिक सांस्कृतिक और ऐतिहासिक वैभव का वर्णन करती है।	• कविता की रचना - लय और सौंदर्य को बढ़ाने के लिए 'यमुन' का प्रयोग, • शब्दों के रूप - शब्दकोश, शिक्षक और साथियों की सहायता से शब्दों से जुड़ें प्रश्नों को हल करना, • थोड़ा भिन्न, थोड़ा समान - एक मात्रा के अंतर से शब्द के अर्थ में परिवर्तन, • विशेषण और उसके भेद	• भारत की भौगोलिक सुंदरता का वर्णन कर सकेंगे। • देश-प्रेम की भावना को आत्मसात कर सकेंगे। • भारत की संस्कृति से परिचित हो सकेंगे। • भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	**CG-1:** C-1.1, C-1.3 **CG-2:** C-2.1, C-2.2, C-2.3 **CG-3:** C-3.1 **CG-4:** C-4.1, C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.2, C-5.3	• मेरी समझ से - समूह में चर्चा, • मिलकर करें मिलान - पाठ के शब्दों का सही अर्थों या संदर्भों से मिलान, • पंक्तियों पर चर्चा - समूह में चर्चा, • सोच-विचार के लिए - कविता पर आधारित प्रश्नों के उत्तर का लेखन, • मिलान - कविता की पंक्तियों का भावार्थ से मिलान, • अनुमान या कल्पना से - समूह में मिलकर चर्चा, • आपकी बात - समूह में चर्चा और लेखन, • वंशी से - वाद्य-यंत्रों के चित्र देखकर शब्द-जाल से नाम खोजना, • आज की पहेली, • झरोखे से, • साझी समझ,

						• खोजबीन के लिए
	पुष्प की अभिलाषा माखनलाल चतुर्वेदी (कविता)	केवल पढ़ने के लिए	कुछ पाठ केवल पढ़ने के लिए दिए गए हैं जो कहीं पाठ के विषय को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं।			
2	**पाठ-2. गोल** मेजर ध्यानचंद (संस्मरण)	यह संस्मरण प्रसिद्ध भारतीय खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जीवन से जुड़ा है। प्रस्तुत पाठ में उन्होंने अपने जीवन से जुड़ी एक घटना के माध्यम से खेल भावना के महत्त्व को	• संस्मरण की रचना - संस्मरण की विशेषताओं की सूची बनाना और साझा करना • शब्दों के जोड़े, विभिन्न प्रकार के - शब्द-युग्म, योजक चिह्नों का प्रयोग, • बात पर बल देना -'ही', 'भी', 'तो' आदि का प्रयोग, • डायरी लेखन के लिए प्रोत्साहित करना • सर्वनाम और उसके भेद • पत्र लेखन (औपचारिक) - आपके विद्यालय में हॉकी खेलने के उपकरण नहीं हैं। हॉकी खेल के उपकरण मँगवाने के लिए प्राचार्य से	• संस्मरण विधा से परिचित हो सकेंगे। • हॉकी खेल के बारे में जान सकेंगे। • खेल-भावना का महत्त्व समझकर, खेल-भावना विकसित कर सकेंगे। • भारत के महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के बारे में जान सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका	**CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.4, C-1.5 **CG-2:** C-2.1, C-2.3 **CG-3:** C-3.1, C-3.2 **CG-4:** C-4.1, C-4.2 **CG-5:** C-5.1	• मेरी समझ से - समूह में चर्चा, • मिलकर करें मिलान - पाठ के शब्दों का सही अर्थों या संदर्भों से मिलान, • पंक्तियों पर चर्चा - समूह में चर्चा, • सोच-विचार के लिए - संस्मरण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर का लेखन, • आपकी बात - समूह में चर्चा और लेखन, • समाचार-पत्र से - खेल समाचार का लेखन, खेल-संवाददाता के रूप में खेल का आँखों-देखा हाल प्रस्तुत करना, • आज की पहेली, • झरोखे से, • साझी समझ, • खोजबीन के लिए

		उजागर किया है।	निवेदन करते हुए पत्र लिखिए।	भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।		
	एक दौड़ ऐसी भी (लेख)	केवल पढ़ने के लिए	कुछ पाठ केवल पढ़ने के लिए दिए गए हैं जो कहीं पाठ के विषय को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं।			
3	**पाठ-3. पहली बूँद** गोपालकृष्ण कौल (कविता)	वर्षा की पहली बूँद का धरती पर गिरने के दृश्य का सुंदर वर्णन किया गया है। यह कविता हमें प्रकृति के महत्त्व और वर्षा ऋतु के सौंदर्य के बारे में बताती है।	• कविता की रचना - कविता को सुंदर बनाने वाले दृश्यों की पहचान और चर्चा, • शब्द एक अर्थ अनेक - 'फूट' शब्द का प्रयोग अलग-अलग अर्थों में, • अनेक शब्दों के लिए एक शब्द - धर अर्थात जल को धारण करने वाला, शब्दकोश या इंटरनेट की सहायता से 'धर' से बने शब्द और उनके अर्थ ढूँढ कर लिखना, • संज्ञा और उसके भेद	• वर्षा ऋतु के सौंदर्य को आत्मसात कर सकेंगे। • पर्यावरण के महत्त्व को रेखांकित कर सकेंगे। • कविता का सार अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • वाक्यांश के लिए एक शब्द लिख सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	**CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.5 **CG-2:** C-2.1, C-2.2, C-2.3 **CG-3:** C-3.1, C-3.2 **CG-4:** C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.3	• मेरी समझ से - समूह में चर्चा, • मिलकर करें मिलान - कविता की पंक्तियों का भावार्थ से मिलान, • पंक्तियों पर चर्चा - समूह में चर्चा, • सोच-विचार के लिए - कविता पर आधारित प्रश्नों के उत्तर का लेखन, • मिलान - कविता की पंक्तियों का भावार्थ से मिलान, • शब्द पहेली - शब्द-जाल में प्रश्नों के उत्तर खोज कर लिखें, • आपकी बात - समूह में चर्चा और लेखन, • समाचार माध्यमों से - मौसम का आँखों देखा हाल प्रस्तुत करना, • सृजन, • इन्हें भी जानें,

						• खोजबीन, • आइए इंद्रधनुष बनाएँ, • झरोखे से
4	**पाठ-4. हार की जीत** सुदर्शन (कहानी)	यह कहानी बाबा भारती और उनके घोड़े सुलतान के बीच लगाव एवं डाकू खड्गसिंह के हृदय परिवर्तन पर आधारित है।	• दिनचर्या: अपनी दिनचर्या लिखना • मुहावरे कहानी से: • पाठ में आए मुहावरों को खोजकर वाक्य में प्रयोग करना • कैसे-कैसे पात्र: • पात्रों की विशेषताओं, गुणों और प्रकृति को बताने वाले विशेषण शब्दों से शब्दचित्र पूरा करना • क्रिया और उसके भेद	• जीवों के प्रति दया की भावना विकसित कर सकेंगे। • अनजान लोगों के प्रति सचेत रहना सीख सकेंगे। • निस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करने का भाव उत्पन्न कर सकेंगे। • पात्रों का शब्द चित्र प्रस्तुत कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	**CG-1:** C-1.1, C-1.3 **CG-2:** C-2.1, C-2.2 **CG-3:** C-3.2 **CG-4:** C-4.1, C-4.2 **CG-5:** C-5.3	• मेरी समझ से: समूह में चर्चा • शीर्षक • पंक्तियों पर चर्चा: विशिष्ट कथनों के अर्थ पर विचार • सोच-विचार के लिए: पात्रों के भावों में अंतर समझना • कहानी की रचना • सुलतान की कहानी: स्वयं को सुलतान मानकर कहानी आगे बढ़ाना • मन के भाव • झरोखे से: सुदर्शन की कविता 'वह चली हवा' पर चर्चा और लेखन • खोजबीन के लिए
5	**पाठ-5. रहीम के दोहे**	रहीम के दोहे जिनमें नैतिकता,	• शब्दों की बात (अनेकार्थक): 'पानी' जैसे शब्दों के विभिन्न अर्थ	• दोहों का भावार्थ समझ सकेंगे।	**CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.4, C-1.5	• मेरी समझ से: समूह में चर्चा • मिलकर करें मिलान: दोहों का सही भाव से मिलान

	अब्दुर्रहीम खानखाना (दोहे)	परोपकार, प्रेम, विनम्रता और व्यवहारिकता का संदेश दिया गया है।	समझना और अन्य शब्दों (कल, फल) के तीन-तीन अर्थ लिखना। • शब्द-संपदा: कविता के शब्दों को अपनी मातृभाषा में लिखना और समानार्थी ढूँढना। • रचनात्मक लेखन: • 'सच्चा मित्र, जीवन का उपहार' विषय पर अनुच्छेद लेखन • पर्यायवाची शब्द (विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर समसामयिक विषयों पर अनुच्छेद लेखन का अभ्यास करवाएँ)	• नैतिक मूल्यों का विश्लेषण कर सकेंगे। • काव्य बोध क्षमता विकसित कर सकेंगें। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	**CG-2:** C-2.1, C-2.2, C-2.3 **CG-3:** C-3.1 **CG-4:** C-4.1, C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.2, C-5.3	• पंक्तियों पर चर्चा: दोहों के भावार्थ का लेखन • सोच-विचार के लिए: दोहों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर का लेखन • आपकी बात: दोहे के भाव को अनुच्छेद शैली में लेखन • सरगम: दोहा-गायन का ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग • आज की पहेली: दोहों पर आधारित शब्द खेल • खोजबीन के लिए: रहीम के अन्य दोहों को इंटरनेट/ पुस्तकालय की सहायता से पढ़ना।
6	**पाठ-6. मेरी माँ** रामप्रसाद 'बिस्मिल' (आत्मकथा)	यह पाठ महान स्वतंत्रता सेनानी रामप्रसाद बिस्मिल की	• शब्द-प्रयोग तरह-तरह के: शब्दों के संक्षेपीकरण (जैसे अक्षर-बोध) की प्रक्रिया समझना और सूची बनाना • शब्दों की बात: अन्य भाषाओं में माँ के लिए	• आत्मकथा विधा से परिचित हो सकेंगे। • माता-पिता के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना विकसित कर सकेंगे।	**CG-1:** C-1.1, C-1.2, C-1.3, C-1.4 **CG-2:** C-2.1, C-2.3	• मेरी समझ से: सटीक उत्तरों की पहचान करना • पंक्तियों पर चर्चा • मिलकर करें मिलान: शब्दों का सही संदर्भ से मिलान

		आत्मकथा का अंश है, जिसमें उन्होंने अपनी माँ के प्रति प्रेम, सम्मान और उनके बलिदान का वर्णन किया है।	संबोधन, समानता का विश्लेषण • आज की पहेली: वर्ग पहेली से विशेषण शब्दों को छाँटकर पाठ में रेखांकित करना। • पत्र लेखन (अनौपचारिक): आपकी देखभाल करने और सारी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आभार व्यक्त हुए अपनी माता जी को पत्र लिखिए। (विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर समसामयिक विषयों पर औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र लेखन का अभ्यास करवाएँ)	• स्वतंत्रता संग्राम के बारे में अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • अन्य भाषाओं में माँ के लिए प्रयुक्त संबोधनों में समानता का विश्लेषण कर सकेंगें। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	**CG-3:** C-3.1 **CG-4:** C-4.1, C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.3	• सोच-विचार के लिए: पाठ पर आधारित प्रश्नों के उत्तर का लेखन • आत्मकथा की रचना: लेखक के 'स्व' के बारे में बताने वाली पंक्तियाँ चुनना • आपकी बात • पुस्तकालय या इंटरनेट से: रामप्रसाद 'बिस्मिल' की आत्मकथा और अन्य देशभक्तों से संबंधित पुस्तकें खोजकर पढ़ना • झरोखे से: बिस्मिल की कविता 'ऐ मातृभूमि!' का पाठ • खोजबीन के लिए
7	**पाठ-7. जलाते चलो** द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी (कविता)	यह प्रेरणादायक कविता समाज में सद्कर्मों की	• कविता की रचना: लय का विश्लेषण • पंक्ति से पंक्ति: कविता की पंक्तियों को गद्य वाक्यों के रूप में रूपांतरित करना	• कविता में आए प्रतीकों और भावों को समझ सकेंगे।	**CG-1:** C-1.1, C-1.3 **CG-2:** C-2.1, C-2.2, C-2.3	• मेरी समझ से: समूह चर्चा • मिलकर करें मिलान: शब्दों का उनके अर्थों या संदर्भों से मिलान • पंक्तियों पर चर्चा: आशय स्पष्टीकरण

		मशाल जलाए रखने और सकारात्मक रहने की प्रेरणा देती है।	• शब्दों के रूप: मानक और स्थानीय शब्दों (दिया-दीपक, उजेला-उजाला) की पहचान • सा/सी/से का प्रयोग: उपमा (समानता) दिखाने वाले शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाना	• समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित हो सकेंगे। • सेवा व परोपकार की भावना विकसित कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	**CG-3:** C-3.1 **CG-4:** C-4.1, C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.2, C-5.3	• सोच-विचार के लिए: कविता आधारित प्रश्नों के उत्तर का लेखन • मिलान: मिलते-जुलते भावों वाली पंक्तियों को रेखा खींचकर जोड़ना • अनुमान या कल्पना: 'दिये और तूफ़ान' के संघर्ष की कहानी पर चर्चा। • अर्थ की बात: काव्य पंक्ति में शब्द बदलने का प्रभाव • प्रतीक: निशा और सवेरा जैसे शब्दों के अर्थ खोजना • पंक्ति से पंक्ति: काव्य पंक्तियों को वाक्य के रूप में लिखना • आपकी बात: स्वयं के अनुभवों पर आधारित प्रश्नोत्तर • अमावस्या और पूर्णिमा: कृष्ण एवं शुक्ल पक्ष की जानकारी • तिथि-पत्र: कैलेंडर देखकर तिथियों और पक्ष की जानकारी • आज की पहेली: 'पवन' के पर्यायवाची शब्दों का अक्षर-जाल • खोजबीन के लिए
आंतरिक मूल्यांकन-						

नोट:-

- **पाठ्यचर्या लक्ष्य और उनकी दक्षताओं का विवरण परिशिष्ट 1 में दिया गया है।**
- **पाठ-विशेष में किसी पाठ्यचर्या लक्ष्य और दक्षता को प्राप्त करने के लिए शिक्षक स्वयं उपयुक्त गतिविधियों का निर्माण करने के लिए स्वतंत्र हैं।**
- **पाठ्यचर्या लक्ष्य CG-1 की दक्षता C-1.3 को प्राप्त करने के लिए सभी पाठों के दौरान विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें।**
- **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 05 सितंबर, 2026 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **मध्यावधि परीक्षा हेतु पुनरावृत्ति करवाई जाए।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है।**

पुनरावृत्ति

मध्यावधि परीक्षा

क्र. सं.	(मल्हार) पाठ का नाम, रचयिता, विधा	विषयवस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	पाठ्यचर्या लक्ष्य एवं दक्षताएँ	गतिविधि/क्रियाकलाप
8	**पाठ-8. सत्रिया और बिहू नृत्य** जया मेहता (निबंध)	प्रस्तुत निबंध असम राज्य और उसके लोकनृत्य सत्रिया और बिहू के बारे में रोचक ढंग से जानकारी प्रस्तुत करता है।	• निबंध की रचना: निबंध की विशेषताओं का विश्लेषण • पत्र: एंजेला द्वारा अनु को पत्र (अन्य औपचारिक और अनौपचारिक पत्रों का लेखन) • पत्र लेखन हेतु डाकघर से आवश्यक सामग्री (डाक टिकट, पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय लिफ़ाफ़े आदि) खरीदना और उपयोग करना • काल और उसके भेद • विलोम शब्द	• निबंध विधा से परिचित हो सकेंगे। • वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) के विषय में जान सकेंगे। • असम और उसके जनजीवन की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • लोकनृत्य और लोकसंगीत के बारे में समझ बना सकेंगे। • सत्रिया और बिहू नृत्य की विशेषताओं को रेखांकित कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	**CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.4 **CG-2:** C-2.1, C-2.3 **CG-3:** C-3.1 **CG-4:** C-4.1, C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.3	• मेरी समझ से: समूह चर्चा • मिलकर करें मिलान: शब्दों का उनके अर्थों या संदर्भों से मिलान • पंक्तियों पर चर्चा: आशय स्पष्टीकरण • सोच-विचार के लिए: पाठ आधारित प्रश्नोत्तर • निबंध की रचना: निबंध की विशेषताओं पर चर्चा • अनुमान या कल्पना से: पाठगत घटनाओं का विश्लेषण • शब्दों की बात: असम से जुड़े शब्दों की पहचान • तीन बिहू: रोंगाली (बोहाग), भोगाली (माघ) और कोंगाली (काटी) बिहू • आपकी बात: समूह चर्चा • पूर्वोत्तर की यात्रा: भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के नाम एवं मानचित्र देखने हेतु वेब लिंक • टाइम मशीन

						• खिलौने विभिन्न प्रकार के: लंदन और भारत के खिलौनों में अंतर • आज की पहेली : असमिया पहेलियाँ और इनके हिंदी रूपों को बूझना • झरोखे से: असम के सुप्रसिद्ध मूँगा सिल्क के बारे में दिए गए लेख का पाठ • साझी समझ • खोजबीन के लिए: असम सहित पूर्वोत्तर भारत के पारंपरिक लोक संगीत के बारे में जानकारी
9	**पाठ-9. मैया मैं नहिं माखन खायो** सूरदास (पद)	सूरदास द्वारा रचित पद में नटखट श्रीकृष्ण की बाल-लीला का वर्णन ब्रजभाषा में किया गया है।	• शब्दों के रूप: शब्दों के नये एवं पुराने रूप, ब्रजभाषा के शब्दों का हिंदी के समान अर्थ वाले शब्दों से मिलान • वर्ण परिवर्तन-'ल' और 'र' वर्ण का परस्पर बदलाव, अ1न्य उदाहरण • श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द	• भक्तिकाल की स्वर्णिम काव्यधारा से परिचित हो सकेंगे • कृष्ण के बाल स्वरूप को रेखांकित कर सकेंगे। • वात्सल्य भाव को आत्मसात कर सकेंगे। • पदों का भावार्थ लिख सकेंगे। • ब्रजभाषा की विशेषताओं और शब्दों से परिचित हो सकेंगे	**CG-1:** C-1.1, C-1.3 **CG-2:** C-2.1, C-2.2, C-2.3 **CG-3:** C-3.1 **CG-4:** C-4.1, C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.2, C-5.3	• मेरी समझ से: समूह चर्चा • मिलकर करें मिलान: शब्दों का उनके अर्थ या संदर्भ से मिलान • पंक्तियों पर चर्चा: आशय स्पष्टीकरण • सोच-विचार के लिए: पद आधारित प्रश्नोत्तर • कविता की रचना: कविता की विशेषताएँ (तुकबंदी) • अनुमान या कल्पना: पद संबंधित घटनाओं का तार्किक विश्लेषण • पंक्ति से पंक्ति: काव्य पंक्तियों का भावार्थ से मिलान

				• पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।		• आपकी बात: अनुभव और तर्क के आधार पर चर्चा • घर की वस्तुएँ: चित्र पहचानकर शब्द लिखना, दूध से घी बनाने की प्रक्रिया • समय का माप: समय से संबंधित शब्दावली एवं गतिविधियाँ • हम सब विशेष हैं- व्यक्तिगत विशेष क्षमताएँ, सहायता का भाव एवं विभिन्न स्थितियों में सहायता कैसे करेंगे • आज की पहेली: दूध से बनने वाली वस्तुएँ (वर्ग पहेली) • खोजबीन के लिए: सूरदास द्वारा रचित अन्य रचनाएँ
10	**पाठ-10.** **परीक्षा** प्रेमचंद (कहानी)	इस कहानी के अनुसार साहस, उदारता और आत्मबल, व्यक्ति विशेष के व्यवहार और चरित्र के	• कहानी की रचना: चित्रात्मक भाषा; 'परीक्षा' कहानी की अन्य विशेषताओं की सूची बनाना • विपरीतार्थक शब्द • कहावत • विज्ञापन: विज्ञापन तैयार करना, मनपसंद विज्ञापन	• साहस, उदारता और आत्मबल आदि गुणों के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे। • कहानी के मूलभाव को अपने शब्दों में लिख सकेंगे।	**CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.4, C-1.5 **CG-2:** C-2.1, C-2.2, C-2.3 **CG-3:** C-3.1, C-3.2	• मेरी समझ से: समूह चर्चा • शीर्षक चयन: 'परीक्षा' शीर्षक रखे जाने के कारण पर चर्चा, नए शीर्षक का चयन • पंक्तियों पर चर्चा: समूह में चर्चा और लेखन • सोच-विचार के लिए: पाठ आधारित प्रश्नोत्तर

		सबसे प्रमुख गुण हैं।	को याद करके अच्छा लगने का कारण बताना, विज्ञापन के लाभ-हानि पर चर्चा • क्रिया विशेषण और उसके भेद • विराम चिह्न • पत्र लेखन (अनौपचारिक): आगामी परीक्षा के लिए शुभकामनाएँ देते हुए मित्र को पत्र लिखिए। (विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर समसामयिक विषयों पर औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र लेखन का अभ्यास करवाएँ)	• पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	**CG-4:** C-4.1, C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.2, C-5.3	• खोजबीन: कहानी में से वाक्य खोजना • समस्या और समाधान: कहानी पर आधारित समस्याओं का समाधान • मन के भाव: पाठ से भावों को खोज कर लिखना • अभिनय • अनुमान या कल्पना से आगे: पाठ संबंधित घटनाओं का तार्किक विश्लेषण • आगे की कहानी: कहानी जहाँ समाप्त होती है उससे आगे क्या हुआ होगा? • आपकी बात • नया पुराना • वाद-विवाद • अच्छाई और दिखावा • परिधान तरह-तरह के • आपकी परीक्षाएँ • आज की पहेली • झरोखे से • खोजबीन के लिए

11	**पाठ-11. चेतक की वीरता** श्यामनारायण पांडेय (कविता)	महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक की वीरता को लयबद्ध करती कविता।	• कविता की रचना: तुकांत शब्दों की सूची बनाना • शब्द के भीतर शब्द: 'आसमान' शब्द में समाहित अन्य शब्दों को पहचानना, कविता से ऐसे ही अन्य शब्द खोज कर लिखना • समानार्थी शब्द	• भारत के ऐतिहासिक वीर व्यक्तियों से परिचित हो सकेंगे। • महाराणा प्रताप के जीवन से अवगत हो सकेंगे। • भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम हो सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे।	**CG-1:** C-1.1, C-1.3 **CG-2:** C-2.1, C-2.2, C-2.3 **CG-3:** C-3.1 **CG-4:** C-4.1, C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.2, C-5.3	• मेरी समझ से: समूह चर्चा • पंक्तियों पर चर्चा: समूह में चर्चा और लेखन • मिलकर करें मिलान: पंक्तियों का सही भावार्थ से मिलान करना। • शीर्षक: इस कविता को आप क्या शीर्षक देना चाहेंगे और क्यों? • आप की बात: समूह चर्चा • आज की पहेली • खोजबीन के लिए: महाराणा प्रताप के विषय में इंटरनेट या पुस्तकालय से जानकारी प्राप्त करके लिखना, पशु-पक्षियों पर आधारित पाँच रचनाओं को खोजकर कक्षा की दीवार-पत्रिका पर लगाना
12	**पाठ-12. हिंद महासागर में छोटा-सा हिंदुस्तान** रामधारी सिंह 'दिनकर' (यात्रा-वृतांत)	प्रस्तुत यात्रा-वृत्तांत में नैरोबी के वन्य जीव और मॉरिशस में भारतीय संस्कृति के	• यात्रा-वृत्तांत की रचना: यात्रा-वृत्तांत की विशेषताओं को पहचानकर लिखना • शब्दों की बात: संज्ञा और सर्वनाम का प्रयोग • चित्रात्मक सूचना: चित्रात्मक सूचना के	• 'यात्रा-वृत्तांत' विधा से परिचित हो सकेंगे। • नैरोबी के प्राकृतिक और मॉरीशस और सांस्कृतिक जीवन के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे। • भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम हो सकेंगे ।	**CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.4 **CG-2:** C-2.1, C-2.3 **CG-3:** C-3.1 **CG-4:** C-4.1, C-4.2	• मेरी समझ से: सटीक उत्तरों की पहचान करना • पंक्तियों पर चर्चा: भारतीय संस्कृति पर चर्चा • सोच-विचार के लिए: यात्रा-वृतांत पर आधारित प्रश्नोत्तर • मिलकर करें मिलान: शब्दों का उपयुक्त वाक्यों से मिलान • अनुमान या कल्पना से: समूह-चर्चा

		अनूठे रूप का वर्णन।	आधार पर मॉरीशस के बारे में अनुच्छेद लेखन • पत्र: दिनकर के पत्र पर आधारित प्रश्नोत्तर • साक्षात्कार: आपका/आपकी मित्र हाल ही में जिस स्थान पर घूमने गया/गई था/थी उस स्थान के विषय में कुछ प्रश्नों का निर्माण करके मित्र का साक्षात्कार लीजिए।	• पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	**CG-5:** C-5.3	• पहचान पाठ के आधार पर: मानचित्र पर केन्या और मॉरिशस को पहचानना • आपकी बात: अनुभव और तर्क के आधार पर चर्चा • कक्षा और घर की भाषाएँ: • प्रशंसा या सराहना विभिन्न प्रकार से • हस्ताक्षर • उलझन सुलझाओ • आज की पहेली • खोजबीन के लिए:
13	**पाठ-13. पेड़ की बात** जगदीशचंद्र बसु (निबंध)	एक बीज से वृक्ष बनने और वृक्ष से सूख कर मृत होने की यात्रा को सरलता से समझाता निबंध।	• लेख की रचना: लेख की विशेषताओं का विश्लेषण और लेखन • शब्दों के रूप: मिट्टी से जुड़े शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों का बॉक्स में लेखन • लिंग परिवर्तन • 'पेड़ लगाओ, पृथ्वी बचाओ' विषय पर अनुच्छेद लेखन	• 'निबंध' विधा से परिचित हो सकेंगे। • वृक्ष की जीवन यात्रा को अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • पृथ्वी के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील हों सकेंगे। • भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम हो सकेंगे।	**CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.4 **CG-2:** C-2.1, C-2.3 **CG-3:** C-3.2 **CG-4:** C-4.1, C-4.2	• मेरी समझ से: समूह चर्चा • पंक्तियों पर चर्चा: पाठ की पंक्तियों पर चर्चा और लेखन • मिलकर करें मिलान: वाक्यांशों का सही अर्थ या संदर्भ से मिलान • सोच-विचार के लिए: पाठ पर आधारित प्रश्नों का लेखन • अनुमान या कल्पना से: समूह चर्चा, प्रवाह चार्ट • अंकुरण

			(विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर समसामयिक विषयों पर अनुच्छेद लेखन का अभ्यास करवाएँ)	• पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।		• मेरे प्रिय: फल, पक्षी, वृक्ष, पुस्तक, खेल के लिए अपनी पसंद के तीन-तीन नामों का लेखन • आज की पहेली • खोजबीन के लिए: जगदीशचंद्र बसु के विषय में जानकारी प्राप्त करना
	आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झाँकी हिंदुस्तान की कवि प्रदीप (गीत)	केवल पढ़ने के लिए	कुछ पाठ केवल पढ़ने के लिए दिए गए हैं जो कहीं पाठ के विषय को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं।			
	शब्दकोश					शब्दकोश का प्रयोग सिखाएँ। - क्रम - व्याकरणिक जानकारी (शब्द-संक्षेप का अर्थ) - संदर्भगत अर्थ
आंतरिक मूल्यांकन-						
नोट:- • **पाठ्यचर्या लक्ष्य और उनकी दक्षताओं का विवरण परिशिष्ट 1 में दिया गया है।** • **पाठ-विशेष में किसी पाठ्यचर्या लक्ष्य और दक्षता को प्राप्त करने के लिए शिक्षक स्वयं उपयुक्त गतिविधियों का निर्माण करने के लिए स्वतंत्र हैं।**						

- **पाठ्यचर्या लक्ष्य CG-1 की दक्षता C-1.3 को प्राप्त करने के लिए सभी पाठों के दौरान विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें।**
- **समस्त पाठ्यक्रम 30 जनवरी, 2027 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **वार्षिक परीक्षा में समस्त पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है।**

समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति

वार्षिक परीक्षा

परिशिष्ट 1

पाठ्यचर्या लक्ष्य एवं दक्षताएँ	
CG-1: वर्णन, विश्लेषण और प्रतिक्रिया के लिए भाषा कौशल का उपयोग करते हुए प्रभावी संचार की क्षमता विकसित करते हैं।	C-1.1 पाठ (समाचार लेख, रिपोर्ट और संपादकीय) को ध्यानपूर्वक सुनकर या पढ़कर मुख्य बिंदुओं की पहचान करते हैं और उनका सारांश प्रस्तुत करते हैं।
	C-1.2 विभिन्न प्रकार के साक्षात्कारों (संरचित और असंरचित) को सुनते हैं, उनकी योजना बनाते हैं और उनका संचालन करते हैं।
	C-1.3 सामाजिक अनुभवों के बारे में उपयुक्त भाषा का प्रयोग करते हुए गहन प्रश्न (संदर्भ के अनुसार संवेदनशीलता के साथ खुले/बंद प्रश्न, औपचारिक/अनौपचारिक प्रश्न) पूछते हैं।
	C-1.4 विभिन्न श्रोताओं और उद्देश्यों के लिए उपयुक्त शैली और स्तर का प्रयोग करते हुए विभिन्न प्रकार के पत्र, निबंध और रिपोर्ट लिखते हैं।
	C-1.5 विभिन्न श्रोताओं और उद्देश्यों के लिए ऑडियो, दृश्य या दोनों प्रकार की सामग्री तैयार करते हैं।
CG-2: विभिन्न प्रकार के साहित्यिक उपकरणों का अन्वेषण करके भाषा और उससे संबंधित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हैं।	C-2.1 विभिन्न संस्कृतियों और कालखंडों से संबंधित साहित्य के विभिन्न रूपों (गद्य, पद्य और नाटक) और लेखन शैलियों (वर्णनात्मक, व्याख्यात्मक और प्रेरक) को पहचानते और सराहते हैं।
	C-2.2 विभिन्न प्रकार के साहित्य को पढ़कर साहित्यिक उपकरणों (उपमा, रूपक, मानवीकरण, अतिशयोक्ति, अनुप्रास (अलंकार), मुहावरे, कहावतें और पहेलियाँ) को पहचानते हैं और उनका लेखन में प्रयोग करते हैं।
	C-2.3 सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचारों और आलोचनाओं को भाषण और लेखन के माध्यम से व्यक्त करते हैं।

CG-3: बुनियादी भाषाई पहलुओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति में उनका उपयोग करने की क्षमता विकसित करते हैं।	C-3.1 विभिन्न प्रकार के साहित्य को पढ़ते समय वाक्य संरचना, विराम चिह्न, काल, लिंग और शब्द भेद जैसे बुनियादी भाषाई पहलुओं (नियमों) की व्याख्या और समझ रखते हैं, और लेखन में उनका प्रयोग करते हैं।
	C-3.2 उचित शैली और भाषा का प्रयोग करते हुए गद्य, कविता और नाटक लिखते हैं।
CG-4: समीक्षा लिखने की क्षमता विकसित करता है और संदर्भ खोजने के लिए पुस्तकालय का उपयोग करते हैं।	C-4.1 विभिन्न विधाओं (कथा और कथेतर) की पुस्तकों को पढ़ते हैं, उन पर प्रतिक्रिया देते हैं और उनकी आलोचनात्मक समीक्षा करते हैं।
	C-4.2 परियोजनाओं और अन्य गतिविधियों में उपयोग के लिए संदर्भ खोजने हेतु पुस्तकों और अन्य मीडिया संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हैं।
CG-5: किसी भाषा की विशिष्ट विशेषताओं, जैसे कि वर्णमाला और लिपि, ध्वनियाँ, तुकबंदी, शब्द-खेल, भाषा के लिए अद्वितीय अन्य खेलों के प्रति सराहना विकसित करते हैं।	C-5.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि, स्वरों और व्यंजनों की संख्या, और उनके परस्पर क्रिया और उपयोग को समझते हैं।
	C-5.2 भाषा में शब्दों के साथ खेले जाने वाले शब्दों को रोचक और मनोरंजक बनाने के लिए, तुकबंदी, अनुप्रास और अन्य शब्द-खेलों का उपयोग करते हैं।
	C-5.3 भाषा में प्रचलित कुछ प्रमुख शब्द-खेलों से परिचित होते हैं (जैसे कि उल्टा सीधा एक समान (पैलिनड्रोम्स) जैसे- डालडा, आद्याक्षर विपर्यय (स्पूनिरिज्म) अर्थात दो या दो से अधिक शब्दों की शुरूआती ध्वनियाँ आपस में बदल जाती हैं जिससे एक नया बेतुका अथवा मज़ेदार शब्द या वाक्यांश बन जाता है उदाहरण: दाल-चावल, चाल-दावल, दिए गए अक्षरों या ध्वनियों के बिना बनने वाले वाक्य, पहेलियाँ, चुटकुले, अंताक्षरी, वर्ण-विपर्यय (एनाग्राम), क्रॉसवर्ड पहेलियाँ आदि।